PROF. RAJENDRA SINGH (RAJJU BHAIYA) UNIVERSITY, PRAYAGRAJ

Department of Sanskrit

Programme: M.A. (Sanskrit) 2024-25

- ***Programme Structure***
- ***Programme Outcomes (POs)***
- ***Course Outcomes (COs)***
- ***Syllabus***

Programme Structure

Year	Semester	Course Code		Course Title	Credits	MM : 100	
		A	B	C	D		
4	VII	UG SEMESTER-VII / PG SEMESTER- I				Int.	Ext.
		A020701T	CORE	वेद	4	25	75
		A020702T	CORE	व्याकरण तथा भाषाविज्ञान	4	25	75
		A020703T	CORE	संस्कृत – शोध प्रविधि	4	25	75
		A020704T	Discipline Centric Elective (Select any One)	भारतीय दर्शन - I	4	25	75
		A020705T		भारतीय दर्शन - II			
		A020706T	Discipline Centric Elective (Select any One)	काव्यशास्त्र - I	4	25	75
		A020707T		काव्यसिद्धान्तपरिचय			
	VIII	UG SEMESTER-VIII (for Four Year Undergraduate Programme)				Int.	Ext.
		A020801T	CORE	वैदिक साहित्य	4	25	75
		A020802T	CORE	व्याकरण, पाली तथा प्राकृत	4	25	75
		A020803P	Research Project	शोध परियोजना	12		
		PG SEMESTER – II (for Two Year Post Graduate Programme – lateral Entry)				Int.	Ext.
		A020801T	CORE	वैदिक साहित्य	4	25	75
		A020802T	CORE	व्याकरण, पाली तथा प्राकृत	4	25	75
		A020803T	Discipline Centric Elective (Select any One)	काव्यशास्त्र तथा काव्य	4	25	75
		A020804T		नाट्यशास्त्र			
		A020805T	Discipline Centric Elective (Select any One)	काव्यशास्त्र - II	4	25	75
		A020806T		साहित्यमीमांसा - I			
		A020807T	Ablity Enhancement Course (Select any One)	भारतीय दर्शन -III	4	25	75
		A020808T		दृश्यकाव्यपरिचय एवं प्रकरण			
		PG SEMESTER-III/PG SEMESTER-I (ONE YEAR PG PROGRAMME-LATERAL ENTRY)				Int.	Ext.
		A020901T	CORE	संस्कृत साहित्य का परिचय	4	25	75
		A020902T	CORE	व्याकरण तथा अनुवाद	4	25	75
		A020903T	Discipline Centric	काव्यशास्त्र - III	4	25	75

5	IX	A020904T	Elective (Select any One)	काव्य			
		A020905T	Discipline Centric Elective (Select any One)	आधुनिक काव्य	4	25	75
		A020906T		साहित्यमीमांसा - II			
		A020907T	Ablity Enhancement Course (Select any One)	व्याकरण तथा निबन्ध	4	25	75
		A020908T		संस्कृत साहित्य का इतिहास			
	X	PG SEMESTER IV / PG SEMESTER-II (ONE YEAR PG PROGRAMME)					
		A0201001P	MRP	शोध प्रबन्ध	20		

Programme Outcomes (POs)

इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ;

PO1-संस्कृत साहित्य में विद्यमान प्राचीन वैदिक (वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग) एवं लौकिक (रामायण, महाभारत आदि), शास्त्रीय नाटकों, दार्शनिक ग्रन्थों एवं काव्य रचनाओं सहित प्रमुख साहित्यिक विधाओं का ज्ञान प्राप्त कर वैश्विक व राष्ट्रीय स्तर पर प्रभावशाली रूप से व्यापक अवबोध प्रस्तुत करेंगे।

PO2–संस्कृत वाङ्मय में निहित विषयावबोध (उद्देश, लक्षण एवं परीक्षा) द्वारा प्रतीकवाद, छन्द, अलङ्कार, कथा-संरचना, सांस्कृतिक एवं दार्शनिक विचारों का गम्भीर रूप से विश्लेषण एवं व्याख्या करेंगे।

PO3–साहित्यिक परम्पराओं एवं शैलियों यथा- काव्य, नाटक, चम्पू, गद्य, पद्य, खण्डकाव्य, दार्शनिक (तर्कसङ्ग्रह तर्कभाषा आदि), व्याकरणीय (लघुसिद्धान्तकौमुदी आदि) आदि के ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक महत्त्व की रूपरेखा तैयार करेंगे।

PO4 -भारतीय उपमहाद्वीप में क्षेत्रीय साहित्य के विकास को प्रभावित करनेवाले धार्मिक, दार्शनिक, भाषादि कारकों में संस्कृत के योगदान का मूल्यांकन करेंगे।

PO5 –संस्कृत भाषा में अनुस्यूत समृद्ध परम्परा (नैतिकता, प्रकृति-प्रेम व आध्यात्मिकता) के गम्भीर अध्ययन द्वारा राष्ट्रगौरव के प्रति जागरूक होकर भारतीय सांस्कृतिक स्थानीय प्रथाओं, नीतियों एवं सिद्धान्तों का वैश्विक स्तर पर समालोचना करेंगे।

PO6–संस्कृत में संरक्षित भारतीय ज्ञान परम्परा का अन्वेषण, मौखिक एवं लिखित माध्यम से संस्कृत ज्ञान का प्रसारण, संस्कृत भाषा में वार्तालाप, संस्कृत का अन्य क्षेत्रीय भाषाओं के साथ तुलनात्मक अध्ययन एवं संस्कृत में विद्यमान ऐतिहासिक व स्थलीय सांस्कृतिक सन्दर्भों का उपयोग करेंगे।

PO7–संस्कृत की कालजयी कृतियों के सिद्धान्तों तथा सौन्दर्यशास्त्र में सम्प्रेषित रस सिद्धान्त, अलंकार सिद्धान्त, गुण सिद्धान्त, रीति सिद्धान्त आदि का अनुभवात्मक विश्लेषण करेंगे, जिससे उनके ज्ञान में भावनात्मक प्रभाव जागृत होगा। साथ ही संस्कृत से सम्बन्धित विभिन्न स्रोतों (गद्य, पद्य, नाटक इत्यादि) पर आधारित मात्रात्मक / गुणात्मक आकड़ों के विश्लेषण, संश्लेषण, व्याख्या एवं निष्कर्ष की योजना करेंगे।

PO8–ग्रीक, लैटिन, फारसी, चीनी आदि वैश्विक शास्त्रीय भाषाओं के साथ संस्कृत के सम्बन्ध का तुलनात्मक अध्ययन करेंगे। इस पर आधारित सांस्कृतिक प्रभावों, अनुवादों, सार्वभौमिक विषयों तथा मानवीय मूल्यों को प्रस्तुत करेंगे।

PO9-वर्तमान एवं भविष्य कीवैश्विक-चुनौतियों के समाधान हेतु संस्कृत वाङ्मय में संरक्षित पाण्डुलिपियों के डिजिटलीकरण तथा उनका भारतीय भाषाओं में अनुवाद आदि कार्यों की रूपरेखा तैयार करेंगे।

PO10-संस्कृत संगणकीय भाषाविज्ञान द्वारा ICT उपयोग करने की क्षमता विकसित करने में, परियोजना कार्य (Research Project) हेतु आवश्यक संसाधनों के अभिज्ञान में तथा परियोजना कार्य (Research Project) को पूर्ण करने के प्रबन्धन का उपयोग करेंगे।

PO11-संस्कृत से सम्बन्धित कौशल, व्यापार एवं प्रासङ्गिक जीविकोपार्जन यथा - आयुर्वेद, कर्मकाण्ड, वास्तुशास्त्र, ज्योतिष, काव्यशास्त्र, अनुवाद-कौशल, नाट्यशास्त्र, योगशास्त्र, संगणकीय संस्कृत आदि साधनों का निर्माण करेंगे।

FYUG Degree (Honours with Research) in Faculty / Diploma in PG /
UG Semester VII / PG Sanskrit Semester I

Course Code		Course Title	Credits	T/P
A	B	C	D	E
A020701T	CORE	वेद Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- UNESCO द्वारा2007 में स्वीकृत विश्व की प्राचीनतम धरोहर तथाभारतीय परम्परा के मूल आधार वेद की पहचान करेंगे। CO2- वैदिक देवताओं के स्वरूप को कर्मकाण्ड आदि में	4	

		प्रस्तुत करेंगे। CO3-वैदिक पदपाठ, स्वरांकन एवं व्याकरणके अवबोध द्वारा भारतीय संस्कृति की महत्ता का विश्लेषण करेंगे। CO4- वैदिक सूक्तो में विद्यमान पर्यावरण चिन्तन व नारी सशक्तीकरण का ज्ञान प्राप्त कर राष्ट्रीय व वैश्विक स्तर पर उसकी व्याख्या करेंगे। CO5- वेदोक्त संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से उदात्त आचरण निर्माण करेंगे। CO6- वैदिक सूक्तों के माध्यम से तत्कालीन आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य की समालोचना होगी। इकाई 1 -ऋग्वेद - सवितृसूक्त (1/35) मरुत्सूक्त (1/85) तथा सूर्यसूक्त (1/115)– मन्त्र, भावार्थ, व्याख्या, अलङ्कार, ऋषि एवं छन्द इकाई 2 -ऋग्वेद - रुद्र सूक्त (2/35), मित्रसूक्त (3/59) तथा उषस्-सूक्त (4/51)- मन्त्र, भावार्थ, व्याख्या, अलङ्कार, ऋषि एवं छन्द इकाई 3 -ऋग्वेद - मित्रावरुणौ सूक्त (7/61), अश्विनौ सूक्त (7/71) तथा वरुण-सूक्त 7/86)- मन्त्र, भावार्थ, व्याख्या, अलङ्कार, ऋषि एवं छन्द इकाई 4 -ऋग्वेद - पर्जन्य सूक्त (5/83), अक्ष सूक्त (10/34) तथा सृष्टि-सूक्त (10/129)- मन्त्र, भावार्थ, व्याख्या, अलङ्कार, ऋषि एवं छन्द इकाई 5 - पदपाठ, स्वरांकन एवं व्याकरणात्मक टिप्पणी सन्दर्भग्रन्थ - The Complete Rgveda, (Ed.) R. L. KashyapInstitute of Vedic Culture, Varanasi, 2020 वेदचयनम्-डॉ. विश्वम्भरनाथत्रिपाठी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी, संशोधितएवंपरिवर्धितसंस्करण, 1984 The New Vedic Selection -Tailang & Brijbihari Chaubey, Bharatiya Vidya Bhawan, Varanasi Hymns from the Rgveda -A. A. Macdonnell,Bombay Sanskrit Series, Bombay, 1938 Hymns from the Rgveda -Peter Peterson, Bombay Sanskrit Series, Bombay, 1937 ऋग्वेद -सायणभाष्यसहित, सम्पादकभगवद्दत्त, दयानन्दमहाविद्यालय, लाहौर, 1920 वेदसूक्तमीमांसा, डॉ. गायत्री शुक्ला, प्रभाश्री विश्वभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, 2020		T

		ऋक्सूक्तसंग्रह - डॉ. हरिदत्तशास्त्री, हरिदत्तशास्त्री, साहित्यभण्डार, मेरठ, 2016 ऋग्वेदसंहितारामगोविन्दत्रिवेदी, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1990 ऋक्सूक्तसङ्ग्रह, रतिरामशास्त्री, विश्वेश्वरानन्दवैदिकशोधसंस्थानप्रेस, होशियारपुर, पंजाब, 1996 ऋक्सूक्तसौरभ, डॉ. आर. के. लौ., ज्ञानप्रकाशन, मेरठ, 1992 सूक्तसङ्कलन, प्रोफेसरविश्वम्भरनाथत्रिपाठी, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1990 वेदामृतमञ्जूषिका, डॉ. प्रयागनारायणमिश्र, प्रकाशनकेन्द्र, लखनऊ, 1986 वैदिकसाहित्यएवंसंस्कृति, वाचस्पतिगैरोला, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी, 1997 वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. करणसिंह, साहित्यभण्डार, मेरठ, 1990 वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1989 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1997 ऋग्वेद, सायणाचार्यभाष्यसहित, वैदिक संशोधन मण्डल, पूना, 1972 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/		

		https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020702T	CORE	व्याकरण तथा भाषाविज्ञान Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसके वैज्ञानिक कौशल को प्रस्तुत करेंगे। CO2- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण का अभ्यास करेंगे। CO3- भाषाविज्ञान के स्वरूप और प्रकृति को समझकर विद्यार्थी उसकी शुद्धता का उपयोग करेंगे। CO4- क्षेत्रीय भाषाओं, राष्ट्रीय भाषाओं, अन्ताराष्ट्रीय भाषाओं की भाषावैज्ञानिक तुलना करेंगे। CO5- संस्कृत में विद्यमान भाषाविज्ञान द्वारा तत्सम शब्दों का मूल्यांकन करेंगे। CO6- संस्कृत के क्रमिक विकास तथा भारतीय आर्यभाषा, पालि, प्राकृत एवं अपभ्रंश शब्दों को रेखांकित करेंगे। इकाई 1 -अजन्त पुँल्लिग - राम, सर्व, हरि (सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया) इकाई 2 -अजन्त स्त्रीलिंग - रमा, मति, श्री, अजन्त नपुंसकलिंग – ज्ञानम् (सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया) इकाई 3 -हलन्त पुँल्लिग - इदम्, राजन्, हलन्त स्त्रीलिंग तथा नपुंसकलिंग - उपानत्, चतुर् , धनुष् (सूत्रनिर्देशपूर्वक सिद्धि-प्रक्रिया) इकाई 4 -भाषा का स्वरूप एवं प्रकृति, भाषाविज्ञान की परिभाषा, मुख्य अंग, गौण अंग एवं उपयोगिता, प्राचीन भारत	4	T

		में भाषावैज्ञानिक कार्य, संस्कृत ध्वनियों का स्वरूप, स्थान एवं प्रयत्न, ध्वनि परिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ, ध्वनि नियम - ग्रिम, ग्रासमान तथा बर्नर नियम। इकाई 5 -अर्थविज्ञान - अर्थपरिवर्तन के कारण तथा दिशाएँ, भाषिक वर्गीकरण - आकृतिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण की सामान्य रूपरेखा, भारोपीय भाषा परिवार की विशेषताएँ तथा भाषाएँ, भारत-ईरानी भाषापरिवार, केन्तुम् और शतम् के आधार पर भारोपीय परिवार का वर्गीकरण, संस्कृत का क्रमिक विकास - प्राचीन भारतीय आर्यभाषा, मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषा - पालि, प्राकृत तथा अपभ्रंश का सामान्य परिचय सन्दर्भग्रन्थ - संस्कृतवाङ्मयपाणिनिमुनेः प्रत्ययसृष्टिः, डॉ. चिन्तनकुमारः हसमुखभाई दवे, ऑरेन्ज बुक्स पब्लिकेशन्स , 2020 लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993 लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 2013 लघुसिद्धान्तकौमुदी, (संज्ञा, संधि प्रकरण), डॉ. वेदपाल, साहित्य भण्डार, मेरठ, 2011 लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 2016 भाषाविज्ञान की भूमिका - देवेन्द्रनाथ शर्मा, बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना, 2012 लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993 लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दप्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन, 2011 लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा, 2018 कृदन्तसूत्रावली, बृजेश कुमार शुक्ल, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2017 भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010		

		भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद, 2010 भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2012 सामान्य भाषाविज्ञान - बाबूराम सक्सेना, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2008 भाषाविज्ञान - कर्ण सिंह, वि विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2011 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020703T	CORE	Sanskrit - Research Methodology Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि	4	T

		CO1 - शोध छात्र भारतीय ज्ञान परम्परा द्वारा भारतीयता के मूल स्वरूप का अभिज्ञान करेंगे। CO2 – वैश्विक साहित्य के रूप में सुविख्यात वैदिक वाङ्मय का अवबोध कर अन्ताराष्ट्रिय स्तर पर उसका प्रदर्शन करेंगे। CO3 – संस्कृत व्याकरणशास्त्र परम्परा द्वारा भाषागत शुद्धता की व्याख्या करेंगे। CO4 – वैश्विक वैदिक संस्कृति के प्रकृति-प्रेम, पर्यावरण-चिन्तन आदि अवबोध द्वारा राष्ट्रीयता का विश्लेषण करेंगे। CO5 – तुलनात्मक दर्शन द्वारा भारतीय और पाश्चात्य दर्शन के अन्तर को समझकर समालोचना करेंगे। CO6 -वेदोक्त संदेशों एवं वैश्विक मानवीय मूल्यों के माध्यम से उदात्त आचरण का निर्माण करेंगे। CO7 –संस्कृत वाङ्मय में निहित आध्यात्मिक, सामाजिक एवं राष्ट्रीय परिदृश्य का मूल्यांकन करेंगे। इकाई 1 विषय क्षेत्र एवं उद्देश्य, शोध-पृष्ठभूमि, सर्वेक्षण, पूर्ववर्ती शोध कार्यों से प्रस्तुत शोध कार्य की विशिष्टता, साहित्य समीक्षा, सन्दर्भ ग्रन्थ सूची निर्माण, प्राथमिक स्रोत, साक्षात् स्रोत, असाक्षात् स्रोत, द्वितीयक स्रोत, स्वतन्त्र-ग्रन्थ, पत्र-पत्रिकाएँ, शोध-प्रविधि शब्दकोष, विश्वकोश, साक्षात्कार इत्यादि इकाई 2 वैदिक वाङ्मय का शोधानुशीलन इकाई 3 काव्यशास्त्र एवं काव्य शास्त्रीय विमर्श इकाई 4 व्याकरण एवं भाषाविज्ञान का सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक परिशीलन इकाई 5 दर्शन : भारतीय दर्शन का गवेषणात्मक अध्ययन सन्दर्भ-ग्रन्थ – भारतीय दर्शन - डॉ. राधाकृष्णन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2009 भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2012 भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती		

		प्रकाशन, वाराणसी, 2010 भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004 भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु.) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989 संस्कृत साहित्य का इतिहास, डॉ. बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1996 संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012 संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997 वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. करण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ, 1995 वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 1998 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी,1998 नीतिशास्त्रसिद्धान्त, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली काव्यप्रकाश, आचार्य मम्मट, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी नाट्यशास्त्र, सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी साहित्यदर्पण, चौखम्बा संस्कृत संस्थान वाराणसी दशरूपक, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाश, दिल्ली संस्कृत साहित्य समग्र इतिहास, डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत प्रतिष्ठान, वाराणसी प्राचीन भारत के शिक्षा मनीषी, डॉ. रामशकल पाण्डेय, शारदा पुस्तक भवन, इलाहाबाद भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु.) नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1989 भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु.) गोवर्धनभट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखवीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965 भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मन्दिर, भरतपुर, 1958 भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती		

		प्रकाशन, वाराणसी, 2010 भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004 भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु.) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में), राजस्थन हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989 भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, द्वादश संस्करण 2010 भाषाविज्ञान, भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद, 1994 The Complete Rgveda, (Ed.) R. L. KashyapInstitute of Vedic Culture, Varanasi, 2020 वेदचयनम्-डॉ. विश्वम्भरनाथत्रिपाठी, विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी, संशोधितएवंपरिवर्धितसंस्करण, 1984 The New Vedic Selection -Tailang & Brijbihari Chaubey, Bharatiya Vidya Bhawan, Varanasi Hymns from the Rgveda -A. A. Macdonnell,Bombay Sanskrit Series, Bombay, 1938 Hymns from the Rgveda -Peter Peterson, Bombay Sanskrit Series, Bombay, 1937 ऋग्वेद -सायणभाष्यसहित, सम्पादकभगवद्दत्त, दयानन्दमहाविद्यालय, लाहौर, 1920 ऋक्सूक्तसंग्रह - डॉ. हरिदत्तशास्त्री, हरिदत्तशास्त्री, साहित्यभण्डार, मेरठ, 2016 ऋग्वेदसंहितारामगोविन्दत्रिवेदी, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1990 ऋक्सूक्तसङ्ग्रह, रतिरामशास्त्री, विश्वेश्वरानन्दवैदिकशोधसंस्थानप्रेस, होशियारपुर, पंजाब, 1996 ऋक्सूक्तसौरभ, डॉ. आर. के. लौ., ज्ञानप्रकाशन, मेरठ, 1992 सूक्तसङ्कलन, प्रोफेसर विश्वम्भरनाथत्रिपाठी, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1990 वेदामृतमञ्जूषिका, डॉ. प्रयागनारायणमिश्र, प्रकाशनकेन्द्र, लखनऊ, 1986 वैदिकसाहित्यएवंसंस्कृति, वाचस्पतिगैरोला, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी, 1997 वैदिकसाहित्यकाइतिहास, डॉ. करणसिंह, साहित्यभण्डार, मेरठ, 1990		

		वैदिकसाहित्यकीरूपरेखा, प्रो. राममूर्तिशर्मा, चौखम्बाप्रकाशन, वाराणसी, 1989 वैदिकसाहित्यएवंसंस्कृति, आचार्यबलदेवउपाध्याय, चौखम्बाविद्याभवन, वाराणसी, 1997 ई-संसाधन (E-Resources) :- https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530 https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=th		

		eater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020704T	Discipline Centric Elective (Select any one)	भारतीय दर्शन - I Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों की सूची बनाएंगे। CO2- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध कर जीवन-दर्शन एवं उदात्त चरित्र का चयन करेंगे। CO3- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता विकसित करेंगे। CO4- भारतीय दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की व्याख्या करेंगे। CO5- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान की रूपरेखा तैयार करेंगे। CO6- भारतीय दर्शन (आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों) का वैश्विक परिप्रेक्ष्य में प्रकाशन करेंगे। इकाई 1 - तर्कभाषा - प्रमाण, पदार्थ तथा प्रत्यक्ष निरूपण इकाई 2 - तर्कभाषा - अनुमान तथा उपमान निरूपण इकाई 3 - तर्कभाषा - शब्द निरूपण से प्रमेय निरूपण पर्यन्त इकाई 4 - भारतीय षड् (न्याय-वैशेषिक, सांख्य-योग, पूर्वमीमांसा एवं उत्तर मीमांसा) आस्तिक दर्शनों का परिचय एवं	4	T

		प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में) इकाई 5 - भारतीय नास्तिक (चार्वाक, जैन, बौद्ध) दर्शनों का परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में) सन्दर्भग्रन्थ - तर्कभाषा - बदरीनाथ शुक्ल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2005 तर्कभाषा - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011 तर्कभाषा - गजानन शास्त्री मुसलगाँवकर, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 तर्कभाषा - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2016 भारतीय दर्शन - डॉ. राधाकृष्णन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2009 भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2012 भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मन्दिर, भरतपुर, 1958 भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010 भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004 भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु.) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989 भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु.) नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1989 भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु.) गोवर्धनभट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखवीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965		

		ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020705T		भारतीयदर्शन – II Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों की सूची बनाएंगे। CO2- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध कर जीवन-दर्शन एवं उदात्त चरित्र का चयन करेंगे। CO3- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों के प्रति विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता विकसित करेंगे। CO4- भारतीय दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक		

		तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की व्याख्या करेंगे। CO5- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान की रूपरेखा तैयार करेंगे। CO6- भारतीय दर्शन (आस्तिक एवं नास्तिक दर्शनों) का वैश्विक परिप्रेक्ष्य में प्रकाशन करेंगे। इकाई 1 - तर्कसंग्रह - प्रमाण पदार्थ तथा प्रत्यक्ष निरूपण इकाई 2 - तर्कसंग्रह- अनुमान तथा उपमान निरूपण इकाई 3 - तर्कसंग्रह - शब्द निरूपण से प्रमेय निरूपण पर्यन्त इकाई 4 - भारतीय षड् (न्याय-वैशेषिक, सांख्य-योग, पूर्वमीमांसा एवं उत्तर मीमांसा) आस्तिक दर्शनों का परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में) इकाई 5 - भारतीय नास्तिक (चार्वाक, जैन, बौद्ध) दर्शनों का परिचय एवं प्रमुख सिद्धान्तों की व्याख्या (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में) सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची तर्कसङ्ग्रह – दयानन्द भार्गव, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2005 तर्कसङ्ग्रह - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011 भारतीय दर्शन - डॉ. राधाकृष्णन, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2009 भारतीय दर्शन - चन्द्रधर शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2012 भारतीय दर्शन - उमेश मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) चन्द्रशेखर द्विवेदी, महालक्ष्मी प्रकाशन, आगरा तर्कसङ्ग्रह, अन्नम्भट्ट, (व्या.) केदारनाथ त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2018 भारतीय दर्शन की भूमिका, रामानन्द तिवारी, भारती मन्दिर, भरतपुर, 1958 भारतीय दर्शन, जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010 भारतीय दर्शन, आलोचन और अनुशीलन, चन्द्रधर शर्मा, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2004 भारतीय दर्शन का इतिहास, एस. एन. दासगुप्ता (अनु.) कलानाथ शास्त्री एवं सुधीर कुमार (पाँच भागों में), राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर, 1969-1989		

		भारतीय दर्शन, एस. राधाकृष्णन, (अनु.) नन्दकिशोर गोभिल, राजपाल एण्ड संस, दिल्ली, 1989 भारतीय दर्शन की रूपरेखा, एम. हिरियन्ना, (अनु.) गोवर्धनभट्ट, मंजू गुप्त एवं सुखवीर चौधरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 1965 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020706T	Discipline Centric Elective (Select any one)	काव्यशास्त्र - I Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की रूपरेखा तैयार करेंगे।	4	T

		CO2- काव्यलक्षण, काव्यभेद के नियमों का अभिज्ञान करेंगे। CO3- संस्कृत अलङ्कारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य-सौन्दर्य की व्याख्या करेंगे। CO4- कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का उपयोग करेंगे। CO5- शब्दशक्तियों (अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना व तात्पर्या) का काव्य निर्माण में समालोचना करेंगे। CO6- साक्षात्कार आदि में काव्यशास्त्रीय शब्द-शक्ति-सौन्दर्यादि का अनुप्रयोग करेंगे। इकाई 1 - काव्यप्रकाश - प्रथम उल्लास– मङ्गलाचरण, काव्य-प्रयोजन, काव्य-हेतु, काव्य-लक्षण, काव्य-भेद इकाई 2 - काव्यप्रकाश - द्वितीय उल्लास – शब्दशक्ति परिचय, अभिधा, लक्षणा, व्यञ्जना, तात्पर्या, अभिहितान्वयवाद, अन्विताभिधानवाद इकाई 3 - काव्यप्रकाश - द्वितीय उल्लास - लक्षणा निरूपण– शुद्धा, गौणी, उपादानलक्षणा, लक्षणलक्षणा, सारोपा, साध्यवसाना (लक्षण, उदाहरण) इकाई 4 - काव्यप्रकाश -द्वितीय उल्लास - व्यञ्जना निरूपण– अभिधामूला व्यञ्जना (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 5 - काव्यप्रकाश - तृतीय उल्लास- व्यञ्जना निरूपण– आर्थी व्यञ्जना (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) सन्दर्भग्रन्थ - काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 2019 काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2008 काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, उत्तर प्रदेश, 2015 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx		

		https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020707T		काव्यसिद्धान्तपरिचय Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों को प्रस्तुत करेंगे। CO2- भारतीय काव्यशास्त्रीय रससिद्धान्त के नियमों की पहचान करेंगे। CO3- काव्यमीमांसा में विद्यमान भारतीय संस्कृति के प्राचीन उदात्त स्वरूप को संकलित करेंगे। CO4- सृजनात्मकता एवं कल्पनाशीलता का उपयोग करेंगे। CO5- काव्यमीमांसीय सिद्धान्तों की समालोचना करेंगे। CO6- काव्यशास्त्रीय शब्द-शक्ति-सौन्दर्यादि का स्वकाव्यरचना में उत्पादन करेंगे। इकाई 1 – रसगङ्गाधर – प्रथम आनन– ग्रन्थ परिचय, काव्यभेद, काव्य-लक्षण इकाई 2 – रसगङ्गाधर – प्रथम आनन– रस-स्वरूप, रसभेद, शब्दगुण, अर्थगुण इकाई 3 – काव्यमीमांसा – प्रथम अध्याय–ग्रन्थ-परिचय,		

		शास्त्रसङ्ग्रह, काव्यपुरुष-अवधारणा इकाई 4 – काव्यमीमांसा – द्वितीय अध्याय – शास्त्रनिर्देश, शास्त्रपरिचय, शास्त्रभेद इकाई 5 – काव्यमीमांसा – तृतीय अध्याय - काव्यपुरुषोत्पत्ति सन्दर्भ-ग्रन्थ रसगङ्गाधर – बद्रीनाथ शुक्ल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2016 रसगङ्गाधर – मदनमोहन झा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2018 रसगङ्गाधर – केदारनाथ ओझा, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, 2016 काव्यमीमांसा – श्रीकृष्णमणि त्रिपाठी त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2014 काव्यमीमांसा – तारिणीश झा, अक्षयवट प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश, 2001 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-		

		volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
UG Semester VIII (for Four Year Undrgraduate Programme)				
A020801T	CORE	वैदिक साहित्य Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि CO1- विद्यार्थी भारतीय परम्परा के मूल आधार वैदिक साहित्य की पहचान करेंगे। CO2- वैदिक देवताओं के स्वरूप को प्रस्तुत करेंगे। CO3- उपनिषद् के अवबोध द्वारा भारतीय संस्कृति की व्याख्या करेंगे। CO4- निरुक्त में विद्यमान पर्यावरण चिन्तन व नारी सशक्तीकरण का ज्ञान प्राप्त कर विश्लेषण करेंगे। CO5- वैदिक साहित्य में निहित पर्यावरणीय संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का मूल्यांकन करेंगे। CO6- निरुक्त के माध्यम से शब्दकोश का निर्माण करेंगे। इकाई 1 - निरुक्त प्रथम अध्याय - प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पाद - ग्रन्थ परिचय, निघण्टु की व्याख्या, षड्-भावविकार इकाई 2 - निरुक्त प्रथम अध्याय - चतुर्थ, पंचम तथा षष्ठ पाद - नाम, आख्यात, उपसर्ग एवं निपात (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 3 - बृहद्देवता - 1 से 75 श्लोक– ग्रन्थ परिचय, देवता स्वरूप इकाई 4 - क - बृहद्देवता - शेष भाग – अग्नि, इन्द्र आदि देवताओं का स्वरूप ख - तैत्तिरीयोपनिषद्- ब्रह्मानन्द वल्ली - प्रथम तथा द्वितीय अनुवाक– ग्रन्थ परिचय, सृष्टि-उत्पत्ति, पञ्चकोश इकाई 5 - तैत्तिरीयोपनिषद्- ब्रह्मानन्द वल्ली – शेषभाग–आनन्द का स्वरूप, मोक्ष की अवधारणा सन्दर्भग्रन्थ - निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2001	4	T

		निरुक्त - डॉ. कपिलदेव शास्त्री , चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2003 बृहद्देवता - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2001 तैत्तिरीयोपनिषद् शांकरभाष्यसमेत – गीताप्रेसगोरखपुर, उत्तर प्रदेश, विक्रम संवत् २०७३ ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020802T	CORE	व्याकरण, पाली तथा प्राकृत Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ;	4	T

		CO1- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण पर आधारित धातुओं की सूची बनाएंगे। CO2- संस्कृत पदों के निर्माण –प्रक्रिया की पहचान करेंगे। CO3- व्याकरण के स्वरूप और प्रकृति का विश्लेषण करेंगे। CO4- धम्म्पद द्वारा महात्मा बुद्ध के वैश्विक विचारों की व्याख्या करेंगे। CO5- संस्कृत और प्राकृत शब्दों के स्वरूप भिन्नता का मूल्यांकन करेंगे। CO6- भारतीय नाट्यविधा सट्टक के स्वरूप की समालोचना करेंगे। इकाई 1 - तिङन्त प्रकरण - भू धातु - लट्, लिट्, लुट्, लृट् तथा लोट् लकारों कीसूत्रोदाहरणपूर्वक रूपसिद्धि-प्रक्रिया इकाई 2 - तिङन्त प्रकरण - भू धातु - लङ्, लिङ्, लुङ् तथा लृङ् लकारों की सूत्रोदाहरणपूर्वक रूपसिद्धि-प्रक्रिया इकाई 3 - तिङन्त प्रकरण - अद्, हु, दिव्, सु, तुद्, रुध्, तन्, क्री तथा चुर् धातुओं की सूत्रोदाहरणपूर्वक रूपसिद्धि-प्रक्रिया इकाई 4 - धम्मपद - यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो तथा पुप्फवग्गो (ग्रन्थ परिचय, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 5 –कर्पूरमञ्जरी – प्रथम जवनिकान्तर (ग्रन्थ-परिचय, अनुवाद एवं व्याख्या) सन्दर्भग्रन्थ - लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993 लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016 लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्द शास्त्री,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 धम्मपद - कनछेदी लाल गुप्त, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 धम्मपद - सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 कर्पूरमंजरी - चुन्नीलाल शुक्ल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014		

		कर्पूरमंजरी - गंगासागर राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020803P	Minor Research Project	Sanskrit Research Project / Dissertation/Internship/Field work/survey work/	12	P
PG Sanskrit Semester II (for Two Year Post Graduate Programme-lateral entry)				
A020801T	Core	वैदिक साहित्य Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि CO1- विद्यार्थी भारतीय परम्परा के मूल आधार वैदिक साहित्य की पहचान करेंगे। CO2- वैदिक देवताओं के स्वरूप को प्रस्तुत करेंगे।	4	T

		CO3- उपनिषद् के अवबोध द्वारा भारतीय संस्कृति की व्याख्या करेंगे। CO4- निरुक्त में विद्यमान पर्यावरण चिन्तन व नारी सशक्तीकरण का ज्ञान प्राप्त कर विश्लेषण करेंगे। CO5- वैदिक साहित्य में निहित पर्यावरणीय संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से आचरण का मूल्यांकन करेंगे। CO6- निरुक्त के माध्यम से शब्दकोश का निर्माण करेंगे। इकाई 1 - निरुक्त प्रथम अध्याय - प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय पाद - ग्रन्थ परिचय, निघण्टु की व्याख्या, षड्-भावविकार इकाई 2 - निरुक्त प्रथम अध्याय - चतुर्थ, पंचम तथा षष्ठ पाद - नाम, आख्यात, उपसर्ग एवं निपात (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 3 - बृहद्देवता - 1 से 75 श्लोक– ग्रन्थ परिचय, देवता स्वरूप इकाई 4 - क - बृहद्देवता - शेष भाग – अग्नि, इन्द्र आदि देवताओं का स्वरूप ख - तैत्तिरीयोपनिषद्- ब्रह्मानन्द वल्ली - प्रथम तथा द्वितीय अनुवाक– ग्रन्थ परिचय, सृष्टि-उत्पत्ति, पञ्चकोश इकाई 5 - तैत्तिरीयोपनिषद्- ब्रह्मानन्द वल्ली – शेषभाग–आनन्द का स्वरूप, मोक्ष की अवधारणा सन्दर्भग्रन्थ - निरुक्त - आचार्य विश्वेश्वर, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2001 निरुक्त - डॉ. कपिलदेव शास्त्री , चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, 2003 बृहद्देवता - आचार्य शिवप्रसाद द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2001 तैत्तिरीयोपनिषद् शांकरभाष्यसमेत – गीताप्रेसगोरखपुर, उत्तर प्रदेश, विक्रम संवत् २०७३ ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/		

		https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020802T	Core	व्याकरण, पाली तथा प्राकृत Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी संस्कृत व्याकरण पर आधारित धातुओं की सूची बनाएंगे। CO2- संस्कृत पदों के निर्माण –प्रक्रिया की पहचान करेंगे। CO3- व्याकरण के स्वरूप और प्रकृति का विश्लेषण करेंगे। CO4- धम्मपद द्वारा महात्मा बुद्ध के वैश्विक विचारों की व्याख्या करेंगे। CO5- संस्कृत और प्राकृत शब्दों के स्वरूप भिन्नता का मूल्यांकन करेंगे। CO6- भारतीय नाट्यविधा सट्टक के स्वरूप की समालोचना करेंगे। इकाई 1 - तिङन्त प्रकरण - भू धातु - लट्, लिट्, लुट्, लृट् तथा लोट् लकारों कीसूत्रोदाहरणपूर्वक रूपसिद्धि-प्रक्रिया इकाई 2 - तिङन्त प्रकरण - भू धातु - लङ्, लिङ्, लुङ् तथा लृङ्	4	T

		लकारों की सूत्रोदाहरणपूर्वक रूपसिद्धि-प्रक्रिया इकाई 3 - तिङन्त प्रकरण - अद्, हु, दिव्, सु, तुद्, रुध्, तन्, क्री तथा चुर् धातुओं की सूत्रोदाहरणपूर्वक रूपसिद्धि-प्रक्रिया इकाई 4 - धम्मपद - यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो तथा पुप्फवग्गो (ग्रन्थ परिचय, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 5 –कर्पूरमञ्जरी – प्रथम जवनिकान्तर (ग्रन्थ-परिचय, अनुवाद एवं व्याख्या) सन्दर्भग्रन्थ - लघुसिद्धान्तकौमुदी - वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993 लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्द प्रसाद शर्मा, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016 लघुसिद्धान्तकौमुदी - धरानन्द शास्त्री,चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 लघुसिद्धान्त कौमुदी - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 धम्मपद - कनछेदी लाल गुप्त, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 धम्मपद - सत्यप्रकाश शर्मा, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 कर्पूरमंजरी - चुन्नीलाल शुक्ल, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 कर्पूरमंजरी - गंगासागर राय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-		

		of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020803T	Discipline Centric Elective (Select any One)	काव्यशास्त्र तथा काव्य Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की सूची बनाएंगे। CO2- काव्यशास्त्रीय रसस्वरूप को प्रस्तुत करेंगे। CO3- भारतीय चम्पूकाव्य के माध्यम से चम्पू-काव्य-सौन्दर्य का विश्लेषण करेंगे। CO4- काव्यशास्त्रीय सिद्धान्तों का ग्रन्थ निर्माण में उपयोग करेंगे। CO5- ग्रन्थगत उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक –समानता की समालोचना करेंगे। CO6- स्वकाव्य लेखन में काव्य-सौन्दर्य का उत्पादन करेंगे। इकाई 1 - काव्यप्रकाश - चतुर्थ उल्लास – अविवक्षितवाच्य लक्षणामूलध्वनि – अर्थान्तरसङ्क्रमित एवं अत्यन्त तिरस्कृत, रसनिरूपण इकाई 2 - काव्यप्रकाश - चतुर्थ उल्लास – विभाव, अनुभाव, स्थायिभाव, व्यभिचारिभाव, उत्पत्तिवाद, अनुमितिवाद, भुक्तिवाद, अभिव्यक्तिवाद इकाई 3 - काव्यप्रकाश - पंचम उल्लास– गुणीभूतव्यङ्ग्य (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), श्रुति, लिङ्ग, वाक्य, प्रकरण, स्थान एवं समाख्या प्रमाण	4	T

		इकाई 4 - नलचम्पू - प्रथम उच्छवास– ग्रन्थ परिचय (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), कविवंशादिवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), आर्यावर्तवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), निषधापुरीवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), नलवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), महामन्त्री-वर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), नृपविलासवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), वर्षावर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), शूकरोत्पातवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 5 - नलचम्पू - प्रथम उच्छवास- मृगयाविहारनिश्चय (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), मृगयावर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), शूकरदर्शन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), शरवर्षण एवं द्वन्द्वयुद्ध (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), शूकरजय एवं नृपविश्राम (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), पथिकागमन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), नृपकुतूहल (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), विदर्भवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), राजपुत्रीवर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), पथिकविसर्जन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या), राजदशावर्णन (चम्पू, अनुवाद एवं व्याख्या) सन्दर्भग्रन्थ - नलचम्पू - तारिणीश झा, रामनारायणलाल विजयकुमार, इलाहाबाद, 2020 काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 2019 काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2015 काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2012 नलचम्पू - धारादत्त शास्त्री, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2010 अन्योक्तिविलासः - डॉ. राजदेव मिश्र, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2004 अन्योक्तिविलासः - डॉ. तरिणीश झा,अक्षयवटप्रकाशन, वाराणसी, 2003 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80		

		https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020804T		नाट्यशास्त्र Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी काव्यशास्त्र के सिद्धान्तों से सुपरिचित होकर भारतीय नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों की सूची बनाएंगे। CO2- भारतीय परम्परा के नाट्य सम्बन्धी नियमों को प्रस्तुत करेंगे। CO3- दशरूपक में वर्णित नाट्य-सौन्दर्य का विश्लेषण करेंगे। CO4- दृश्यकाव्य के सिद्धान्तों में कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का अवबोध कर ग्रन्थ निर्माण में उसका उपयोग करेंगे। CO5- ग्रन्थगत उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक –समानता की रूपरेखा तैयार करेंगे।		

		CO6- आधुनिक नाट्य-विधानों तथा प्राचीन भारतीय नाट्यविधानों का वैश्विक सन्दर्भ में समालोचना करेंगे। इकाई 1 - दशरूपकम् - प्रथम प्रकाश– ग्रन्थ परिचय, नाट्यपरिभाषा, नाट्यविधान, नृत्य एवं नृत्त का अन्तर, रूपकभेद, वस्तुभेद, अर्थप्रकृति, काव्यसन्धि, अर्थोपक्षेपक (विष्कम्भक, प्रवेशक, चूलिका, अङ्कास्य, अङ्कावतार), प्रकाश, स्वगत, जनान्तिक, अपवारित, आकाशभाषित इकाई 2 - दशरूपकम् - द्वितीय प्रकाश– नायक के गुण एवं भेद (धीरोदात्त, धीरोद्धत, धीरललित एवं धीरप्रशान्त) श्रृङ्गारी नायक की अवस्थाएँ (दक्षिण, शठ, धृष्ट एवं अनुकूल) 48 प्रकार के नायक, नायक के सहायक – पीठमर्द, विट, विदूषक, प्रतिनायक, नायक के आठ सात्विक गुण, नायिका भेद, नायिकाओं बीस सात्विक अलङ्कार, नाट्यवृत्तियाँ (सात्त्वती, कैशिकी और आरभटी), नाट्य-प्रवृत्तियाँ, पाठ-प्रवृत्ति एवं आमन्त्रण-नियम इकाई 3 - दशरूपकम् - तृतीय प्रकाश–पूर्वरङ्ग, स्थापना, भारतीवृत्ति एवं उसके अङ्ग – प्ररोचना, वीथी, प्रहसन, सभेद आमुख और साङ्ग वीथी, नाटक, प्रकरण, नाटिका, भाण, प्रहसन, डिम, व्यायोग, समवकार, वीथि, उत्कृष्टाङ्क, ईहामृग इकाई 4 - दशरूपकम् – चतुर्थ प्रकाश- रस लक्षण, भाव, विभाव, अनुभाव, सात्विक भाव इकाई 5 - दशरूपकम् - चतुर्थ प्रकाश– व्यभिचारिभाव, स्थायिभाव, रसविरोध एवं परिहार (वैश्विक सन्दर्भ में) सन्दर्भ-ग्रन्थ - दशरूपकम् - डॉ. बैजनाथ पाण्डेय, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, नई दिल्ली,2015 दशरूपकम् - डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा विद्याभवन अकादमी, वाराणसी, 1998 दशरूपकम् - डॉ. भोलाशंकर व्यास, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1999 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en		

		https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020805T	Discipline Centric Elective (Select any One)	काव्यशास्त्र – II Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की रूपरेखा तैयार करेंगे। CO2- काव्यलक्षण, काव्यभेद के नियमों को प्रस्तुत करेंगे। CO3- संस्कृत अलङ्कारों के ज्ञान के माध्यम से काव्य-सौन्दर्य की व्याख्या करेंगे। CO4- ग्रन्थगत सृजनशीलता एवं उदात्त भावनाओं का उपयोग करेंगे। CO5- काव्यशास्त्रीय अलङ्कारों के उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक –समानता का मूल्यांकन करेंगे।	4	T

		CO6- अलङ्कार-सौन्दर्य की समालोचना करेंगे। इकाई 1 - काव्यप्रकाश - नवम उल्लास– अलङ्कार (लक्षण एवं भेद परिचय), शब्दालङ्कार परिचय, अनुप्रास (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), श्लेष (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), चित्र अलङ्कार परिचय इकाई 2 - काव्यप्रकाश - दशम उल्लास – अर्थालङ्कार परिचय – उपमा (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 3 - काव्यप्रकाश - दशम उल्लास –रूपक (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), अपह्नुति (लक्षण एवं उदाहरण), निदर्शना (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 4 - काव्यप्रकाश - दशम उल्लास –अप्रस्तुतप्रशंसा (लक्षण एवं उदाहरण), अतिशयोक्ति (लक्षण एवं उदाहरण), दीपक (लक्षण एवं उदाहरण) इकाई 5 - काव्यप्रकाश - दशम उल्लास – विभावना (लक्षण एवं उदाहरण), विशेषोक्ति (लक्षण एवं उदाहरण), काव्यलिङ्ग (लक्षण एवं उदाहरण), सङ्कर (लक्षण एवं उदाहरण) एवं प्रमुख अलङ्कार (लक्षण एवं उदाहरण) सन्दर्भग्रन्थ - काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 2019 काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017 काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2019 मृच्छकटिकम् - डॉ. रमाशंकर त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2018 मृच्छकटिकम् - डॉ. गंगासागर राय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2019 मृच्छकटिकम् - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2002 मृच्छकटिकम् - शूद्रक, व्याख्याकार जगदीशचन्द्र मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2015 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80		

		https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020806T		साहित्यमीमांसा – I Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों की रूपरेखा तैयार करेंगे। CO2- भारतीय परम्परा के नाट्य सम्बन्धी नियमों को प्रस्तुत करेंगे। CO3- वक्रोक्ति ज्ञान के माध्यम से अलङ्कार-सौन्दर्य की योजना करेंगे। CO4- दृश्यकाव्य के सिद्धान्तों में कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का अवबोध कर ग्रन्थ निर्माण में उसका उपयोग करेंगे। CO5- ग्रन्थगत उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक -समानता को स्वकाव्य निर्माण में		

		उत्पन्न करेंगे। CO6- पञ्चम वेद के रूप में विख्यात प्राचीन भारतीय नाट्यशास्त्र की आधुनिक नाट्यविधाओं से समालोचना करेंगे। इकाई 1 – नाट्यशास्त्र – प्रथम अध्याय–ग्रन्थ परिचय, नाट्यवेद की उत्पत्ति, नाट्य-लक्षण, नाट्य-प्रयोग इकाई 2 – नाट्यशास्त्र – प्रथम अध्याय- नाट्यगृहनिर्माण, नाट्यस्वरूप, नाट्य-निर्वचन, नाट्य-प्रयोजन, रङ्ग-पूजा इकाई 3 – वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम उन्मेष– ग्रन्थपरिचय, काव्यरचना, काव्यप्रयोजन इकाई 4 – वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम उन्मेष- काव्यलक्षण, शब्दार्थसाहित्य, वक्रता के प्रकार, काव्यबन्ध का स्वरूप, काव्य के त्रिविध मार्ग, इकाई 5 – वक्रोक्तिजीवितम् – प्रथम उन्मेष - वस्तु एवं लावण्य के भेद, सामान्यगुणों के विषय, कालिदास के काव्यों में अनौचित्य प्रदर्शन सन्दर्भ-ग्रन्थ- नाट्यशास्त्र - पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन अकादमी, वाराणसी, 1995 वक्तोक्तिजीवितम् – डॉ. परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2014 वक्रोक्तिजीवितम् – तारिणीश झा, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2003 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India		

		http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020807P	Ablity Enhancement Course (Select any One)	भारतीय दर्शन - III Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों की पहचान करेंगे। CO2- भारतीय दार्शनिक तत्त्वों में अनुस्यूत गूढार्थ बोध कर जीवन-दर्शन एवं उदात्त चरित्र का चयन करेंगे। CO3- भारतीय वेदान्त एवं सांख्य दर्शन द्वारा विश्लेषणात्मक एवं तार्किक क्षमता की व्याख्या करेंगे। CO4- वेदान्त और सांख्य दर्शन में विद्यमान नैतिक एवं कल्याणपरक तथ्यों से आत्मोत्कर्ष की योजना करेंगे। CO5- भारतीय दर्शन में निहित उद्देश्यों एवं ज्ञान की समालोचना करेंगे। CO6- भारतीय दर्शन (वेदान्त एवं सांख्य दर्शनों) की रूपरेखा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में तैयार करेंगे। इकाई 1 - वेदान्तसार –ग्रन्थ परिचय, अनुबन्ध चतुष्टय - अधिकारी, विषय, सम्बन्ध और प्रयोजन (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में) इकाई 2 - वेदान्तसार -अज्ञान का स्वरूप (अध्यारोप, अपवाद, विवर्तवाद) इकाई 3 - वेदान्तसार –ब्रह्म का स्वरूप (मोक्ष की अवधारणा) इकाई 4 - सांख्यकारिका - कारिका 1 – 30– ग्रन्थ परिचय, पञ्चविंशति तत्त्वों की व्याख्या (वैश्विक परिप्रेक्ष्य में)	4	T

		इकाई 5 - सांख्यकारिका - कारिका 31 -72– पुरुष एवं प्रकृति के स्वरूप का वर्णन सन्दर्भग्रन्थ - वेदान्तसार - सन्तनारायण श्रीवास्तव, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2014 वेदान्तसार - डॉ. कृष्ण कान्त, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2012 सांख्यतत्त्वकौमुदी प्रभा - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2015 सांख्यकारिका – रामकृष्ण, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2017 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/		

		https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020808T		दृश्यकाव्यपरिचय एवं प्रकरण Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की सूची बनाएंगे। CO2- भारतीय अभिनय-नियमों का अवबोध कर उसको प्रस्तुत करेंगे। CO3- भारतीय नाट्यविधा प्रकरण के माध्यम से काव्य-सौन्दर्य का उपयोग करेंगे। CO4- भारतीय दृश्यकाव्य के सिद्धान्तों को संकलित करेंगे। CO5- ग्रन्थगत उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक –समानता की आलोचना करेंगे। CO6- काव्यशास्त्रीय शब्द-शक्ति-सौन्दर्यादि का स्वकाव्यरचना में उत्पादन करेंगे। इकाई 1 – साहित्यदर्पण षष्ठ परिच्छेद- काव्य-भेद, अभिनय (परिचय, भेद एवं उदाहरण), रूपक एवं उपरूपक (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 2 – साहित्यदर्पण षष्ठ परिच्छेद– नाटक (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), अङ्क (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), पूर्वरङ्ग (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 3 – साहित्यदर्पण षष्ठ परिच्छेद– नान्दी (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), प्रस्तावना (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), कथावस्तु (इतिवृत्त) (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), अर्थोपक्षेपक (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), प्रवेशक (लक्षण एवं उदाहरण), विषकम्भक (लक्षण एवं उदाहरण), चूलिका (लक्षण एवं उदाहरण), अङ्कावतार (लक्षण एवं उदाहरण) इत्यादि इकाई 4- मृच्छकटिकम् –प्रथम अङ्क से चतुर्थ अङ्क पर्यन्त (प्रकरण-परिचय, अलङ्कारन्यास, द्यूतकरसंवाहक, सन्धिच्छेद, मदनिका-शर्विलक) इकाई 5- मृच्छकटिकम् - अंक 5 से 10 तक (दुर्दिन, प्रवहण विपर्यय, आर्यकापहरण, वसन्तसेनामोचन, व्यवहार, संहार) सन्दर्भ-ग्रन्थ सूची :- साहित्यदर्पण (कविराज विश्वनाथ), सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2017		

		साहित्यदर्पण, शालिग्राम शास्त्री, मोतीलाल बनारसीदास प्रकाशन, वाराणसी, 2018 साहित्यदर्पण, राजकिशोर सिंह, प्रकाशक केन्द्र, लखनऊ, 2016 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
PG Semester – III / PG SEMESTER-I (One Year PG Programme – Lateral Entry)				
A020901T	CORE	संस्कृत साहित्य का परिचय Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी भारतीय परम्परा के संस्कृत साहित्य के इतिहास की रूपरेखा तैयार करेंगे।	4	

		CO2- संस्कृत साहित्य के स्वरूप को प्रस्तुत करेंगे। CO3- संस्कृत साहित्य के इतिहास को संकलित करेंगे। CO4- संस्कृत साहित्य में निहित संदेशों एवं मूल्यों के माध्यम से उदात्त आचरण की व्याख्या करेंगे। CO5- भारतीय आदिकाव्य रामायण और महाभारत की काव्यात्मकता का मूल्यांकन करेंगे। CO6- महाकाव्य, नाटक, खण्डकाव्य का लक्षणात्मक परिचय प्राप्त कर उसकी समालोचना करेंगे। इकाई 1 - वैदिक साहित्य (वेद, ब्राह्मण, आरण्यक, उपनिषद्, वेदाङ्ग) का सामान्य परिचय इकाई 2 - उपजीव्य काव्य - रामायण तथा महाभारत का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 3 - महाकाव्य - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख महाकाव्यों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 4 - नाटक - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख नाटकों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 5 - खण्डकाव्य - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख खण्डकाव्यों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय सन्दर्भग्रन्थ - संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008 संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. ए. बी. कीथ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 2009 संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008 संस्कृत साहित्य का समीक्षात्मक इतिहास - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012 संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, दिल्ली 2019 वेदामृतमञ्जूषिका, डॉ. प्रयागनारायण मिश्र, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ, 2019 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा प्रकाशन,		T

		वाराणसी, 2016 वैदिक साहित्य का इतिहास, डॉ. करण सिंह, साहित्य भण्डार, मेरठ, 2013 वैदिक साहित्य की रूपरेखा, प्रो. राममूर्ति शर्मा, चौखम्बा प्रकाशन, वाराणसी, 2017 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति, आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2016 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020902T	CORE	व्याकरण तथा अनुवाद Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर शुद्ध वर्ण, शब्द, पद एवं	4	

		वाक्य प्रयोग का चयन करेंगे। CO2- शुद्ध वर्णों, शब्दों, पदों एवं वाक्यों को प्रस्तुत करेंगे। CO3- संस्कृतव्याकरण में कारक के स्वरूप का विश्लेषण करेंगे। CO4- अनुवाद कार्य का उपयोग करेंगे। CO5- महाभाष्य में वर्णित भाषावैज्ञानिक स्वरूप की सूक्ष्मातिसूक्ष्म दृष्टि से समालोचना करेंगे। CO6- संस्कृत व्याकरण में निहित प्राचीन उदाहरणों द्वारा वैश्विक परिप्रेक्ष्य में उन्नत भारतीय संस्कृति की महत्ता उत्पन्न होगी। इकाई 1 - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) - प्रथमा तथा द्वितीया विभक्ति इकाई 2 - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) - तृतीया, चतुर्थी तथा पंचमी विभक्ति इकाई 3 - कारक प्रकरण (सिद्धान्तकौमुदी) - षष्ठी तथा सप्तमी विभक्ति इकाई 4 - महाभाष्य - पश्पशाह्निक - आरम्भ से "शास्त्रपूर्वके प्रयोगेऽभ्युदयस्तत्तुल्यं वेदशब्देन (सू. 13)"तक इकाई 5 - क - महाभाष्य – पश्पशाह्निक - शेष भाग ख - अनुवाद - हिन्दी से संस्कृत (अपठित गद्यांश पर आधारित) सन्दर्भग्रन्थ - कारक प्रकरण - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2017 कारक प्रकरण - डॉ. आद्याप्रसाद मिश्र, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2018 कारक प्रकरण - डॉ. राजकिशोरमणि पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2019 महाभाष्यम् - युधिष्ठिर मीमांसक, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2020 महाभाष्य - पश्पशाह्निक - राजकिशोरमणि त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010 व्याकरण महाभाष्य - चारुदेव शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2016 हायर संस्कृत ग्रामर, मोरेश्वर रामचन्द्र काले (अनु.) कपिलदेव द्विवेदी,श्रीरामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001 संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मण्डल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007		T

		अनुवाद-चन्द्रिका, यदुनन्दन मिश्र / ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008 अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999 संस्कृत रचना, वी. एस. आप्टे (अनु.) उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008 रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011 संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2010 संस्कृत निबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन, 2018 संस्कृत निबन्ध सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/		

		https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020903T	Discipline Centric Elective (Select any one)	काव्यशास्त्र – III Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों का चयन करेंगे। CO2- काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की रूपरेखा तैयार कर उसे प्रस्तुत करेंगे। CO3- ध्वनि-सिद्धान्त के माध्यम से काव्य-सौन्दर्य की व्याख्या करेंगे। CO4- काव्यगुण एवं काव्यदोष के स्वरूप का विश्लेषण करेंगे। CO5- काव्यशास्त्रीय ध्वनि के उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक –समानता की समालोचना करेंगे। CO6- भारतीय काव्यशास्त्रीय परम्परा में विद्यमान ध्वनि सिद्धान्तों का मूल्यांकन करेंगे। इकाई 1 - काव्यप्रकाश - षष्ठ तथा सप्तम उल्लास – शब्दार्थचित्रनिरूपण, काव्यदोषपरिचय, काव्यदोषभेद इकाई 2 - काव्यप्रकाश - सप्तम उल्लास –पददोष (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), वाक्यदोष (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) पदांश दोष (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) अर्थदोष (लक्षण, भेद एवं उदाहरण), रसदोष (लक्षण, भेद एवं उदाहरण) इकाई 3 - काव्यप्रकाश - अष्टम उल्लास–गुण एवं अलङ्कारों में भेद, गुणों के भेद, त्रिविध गुण एवं उनके व्यञ्जक, गुणानुसारिणी रचनादि के अपवाद इकाई 4 - ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत - कारिका - 1 - 10 -ग्रन्थ परिचय, ध्वनि-परिचय, ध्वनिनिरूपण, सहृदय की अवधारणा इकाई 5 - ध्वन्यालोक - प्रथम उद्योत - कारिका - 11 - 19 - वस्तुध्वनि, अलङ्कारध्वनि, रसध्वनि, ध्वनिकाव्य लक्षण एवं उदाहरण सन्दर्भग्रन्थ - ध्वन्यालोक - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 2022 काव्यप्रकाश - आचार्य विश्वेश्वर, ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी, 2019 काव्यप्रकाश - श्रीनिवास शास्त्री, चौखम्बा संस्कृत भारती	4	T

		प्रकाशन, वाराणसी, 2015 काव्यप्रकाश - सत्यव्रत सिंह, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2011 ध्वन्यालोक - डॉ. रामसागर त्रिपाठी, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020904T		काव्य Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1-भारतीय महाकाव्यशास्त्रीय तत्त्वों की सूची बनाएंगे। CO2- महाकाव्य तथा गद्यकाव्य के लक्षण एवं उदाहरण को प्रस्तुत		

		करेंगे। CO3- महाकाव्य एवं गद्यकाव्य में विद्यमान काव्य-सौन्दर्य की व्याख्या करेंगे। CO4- संस्कृत गद्य एवं पद्य में लेखन की योजना करेंगे। CO5- काव्य ग्रन्थों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक –समानता का अवबोध उत्पन्न होगा। CO6- महाकाव्यशास्त्रीय एवं गद्यकाव्यशास्त्रीय पात्रों के चरित्र का मूल्यांकन करेंगे। इकाई 1 - नैषधीयचरितम् - प्रथम सर्ग - श्लोक 1 – 70(ग्रन्थ परिचय, श्लोक, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 2 - नैषधीयचरितम् - प्रथम सर्ग - श्लोक 71 – 145(श्लोक, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 3 - कादम्बरी कथामुखम् - आरम्भ से शुकसंवादवर्णनम् तक (कथावस्तु, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 4 - कादम्बरी कथामुखम् - विन्ध्याटवी वर्णनम् से अन्त तक (कथावस्तु, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 5 - शिशुपालवध- प्रथम सर्ग (ग्रन्थ परिचय, श्लोक, अनुवाद एवं व्याख्या) सन्दर्भग्रन्थ - नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग - बद्रीनाथ मालवीय, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2009 नैषधीयचरितम् प्रथम सर्ग - तरिणीश झा, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, 2010 कादम्बरीकथामुख – शेषराज रेग्मी, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2012 कादम्बरी कथामुखम् - रतिनाथ झा, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008 कादम्बरी कथामुखम् - डॉ. अनुराग शुक्ल, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 1996 शिशुपालवध – देवनारायण मिश्र, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2010 शिशुपालवध – उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा संस्कृत भारती प्रकाशन, वाराणसी, 2008 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80		

		https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020905T	Discipline Centric Elective (Select any one)	आधुनिक काव्य Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी आधुनिक भारतीय काव्यशास्त्रीय तत्त्वों की पहचान करेंगे। CO2- मेघदूत एवं भामिनीविलास के कथानक को आधुनिक रूप में प्रस्तुत करेंगे। CO3- ग्रन्थगत काव्य-सौन्दर्य की व्याख्या करेंगे। CO4- रस-निष्पत्ति के स्वरूप का विश्लेषण करेंगे। CO5- मेघदूत तथा भामिनीविलास में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक-समानता का मूल्यांकन करेंगे। CO6- काव्यशास्त्रीय शब्द-शक्ति-सौन्दर्यादि की समालोचना करेंगे।	4	T

		इकाई 1-भामिनीविलास - अन्योक्तिविलास (ग्रन्थ परिचय,अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 2-भामिनीविलास - अन्योक्तिविलास (अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 3- मेघदूत - पूर्वमेघ (ग्रन्थ परिचय, श्लोक, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 4- मेघदूत - पूर्वमेघ - (श्लोक, अनुवाद एवं व्याख्या) इकाई 5- मेघदूत– उत्तरमेघ - (श्लोक, अनुवाद एवं व्याख्या) सन्दर्भ-ग्रन्थ – मेघदूतम् - तारिणीश झा, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996 मेघदूतम् - ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारतीय प्रकाशन, वाराणसी, 1997 भामिनीविलास -तारिणीश झा, अक्षयवट प्रकाशन, इलाहाबाद, 1996 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress		

		https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020906T		साहित्यमीमांसा – II Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- भारतीय नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों की रूपरेखा तैयार करेंगे। CO2- भारतीय परम्परा के नाट्य सम्बन्धी नियमों को प्रस्तुत करेंगे। CO3- वक्रोक्ति ज्ञान के माध्यम से अलङ्कार-सौन्दर्य की योजना करेंगे। CO4- दृश्यकाव्य के सिद्धान्तों में कल्पनाशीलता एवं रचनात्मक क्षमता का अवबोध कर ग्रन्थ निर्माण में उसका उपयोग करेंगे। CO5- ग्रन्थगत उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम, नारी-सशक्तीकरण एवं लैंगिक -समानता को स्वकाव्य निर्माण में उत्पन्न करेंगे। CO6- पञ्चम वेद के रूप में विख्यात प्राचीन भारतीय नाट्यशास्त्र की आधुनिक नाट्यविधाओं से समालोचना करेंगे। इकाई 1 – नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय इकाई 2 – नाट्यशास्त्र – द्वितीय अध्याय इकाई 3 – वक्रोक्तिजीवितम् – द्वितीय उन्मेष इकाई 4 – वक्रोक्तिजीवितम् – द्वितीय उन्मेष इकाई 5 – वक्रोक्तिजीवितम् – द्वितीय उन्मेष सन्दर्भ-ग्रन्थ- नाट्यशास्त्र - पारसनाथ द्विवेदी, चौखम्बा विद्याभवन अकादमी, वाराणसी, 1995 वक्तोक्तिजीवितम् – डॉ. परमेश्वरदीन पाण्डेय, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी, 2014 वक्रोक्तिजीवितम् – तारिणीश झा, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 2003 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-		

		language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020907T	Discipline Centric Elective (Select any one)	व्याकरण तथा निबन्ध Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- संस्कृत व्याकरण का ज्ञान प्राप्त कर उसके वैज्ञानिक कौशल का चयन करेंगे। CO2- संस्कृत वर्णों के शुद्ध उच्चारण को प्रस्तुत करेंगे। CO3- व्याकरण के स्वरूप और प्रकृति को समझकर विद्यार्थी उसकी शुद्धता का उपयोग करेंगे। CO4- ग्रन्थगत उदाहरणों में विद्यमान प्रकृति-प्रेम आदि की व्याख्या करेंगे। CO5- पर्यावरण, नारी-सशक्तीकरण आदि समसामयिक विषयों से सम्बन्धित संस्कृत निबन्धों का निर्माण करेंगे। CO6-अन्ताराष्ट्रीय स्तर के निबन्ध लेखन द्वारा पर्यावरण-चिन्तन, लैंगिक समानता, नारी सशक्तीकरण आदि की समालोचना करेंगे। इकाई 1 - कृत्य प्रक्रिया तथा पूर्वकृदन्त– सूत्र, व्याख्या एवं उदाहरण	4	T

		इकाई 2 - उणादि प्रत्यय तथा उत्तरकृदन्त- सूत्र, व्याख्या एवं उदाहरण इकाई 3 - तद्धित प्रकरण - अपत्याधिकार- सूत्र, व्याख्या एवं उदाहरण इकाई 4 - तद्धित प्रकरण - शैषिक तथा मत्वर्थीय - सूत्र, व्याख्या एवं उदाहरण इकाई 5 - संस्कृत में निबन्ध– अन्ताराष्ट्रीय स्तर के समसायिक विषयों पर आधारित सन्दर्भग्रन्थ - लघुसिद्धान्तकौमुदी, वरदराज भैमी व्याख्या, भीमसेन शास्त्री (1-6 भाग), भैमी प्रकाशन, दिल्ली 1993 लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा प्रकाशन लघुसिद्धान्तकौमुदी, गोविन्दप्रसाद शर्मा एवं आचार्य रघुनाथ शास्त्री, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन लघुसिद्धान्तकौमुदी, डॉ. रामकृष्ण आचार्य, विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा हायर संस्कृत ग्रामर, मोरेश्वर रामचन्द्र काले (अनु.) कपिलदेव द्विवेदी,श्रीरामनारायणलाल बेनीप्रसाद, इलाहाबाद 2001 संस्कृत व्याकरण एवं अनुवाद कला, ललित कुमार मण्डल, प्रतिभा प्रकाशन, दिल्ली 2007 अनुवाद-चन्द्रिका, यदुनन्दन मिश्र / ब्रह्मानन्द त्रिपाठी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी अनुवाद चन्द्रिका, चन्द्रधर हंस नौटियाल, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1999 संस्कृत रचना, वी. एस. आप्टे (अनु.) उमेशचन्द्र पांडे, चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी, 2008 रचनानुवादकौमुदी, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2011 संस्कृतनिबन्धशतकम्, कपिलदेव द्विवेदी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2010 संस्कृत निबन्धावली, रामजी उपाध्याय, चौखम्बा प्रकाशन संस्कृत निबन्ध सुधा, राधेश्याम गंगवार, नागराज प्रकाशन, पिथौरागढ़, 2005 ई-संसाधन - https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en		

		https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/ www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
A020908T		संस्कृत साहित्य का इतिहास Course Outcomes : अधिगम उपलब्धि इस पाठ्यक्रम को पूर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी ; CO1- विद्यार्थी भारतीय परम्परा के संस्कृत साहित्य के ऐतिहासिक अध्ययन का चयन करेंगे। CO2- भारतीय संस्कृत साहित्य के इतिहास के स्वरूप को प्रस्तुत करेंगे। CO3- भारतीय संस्कृत साहित्य के इतिहास का विश्लेषण करेंगे। CO4- भारतीय संस्कृत साहित्य के इतिहास में निहित उदात्त वैश्विक संदेशों का मूल्यांकन करेंगे। CO5- भारतीय गद्य, चम्पू, कथा, मुक्तक आदि की काव्यात्मकता की समालोचना करेंगे। CO6- भारतीय संस्कृत साहित्य में विद्यमान मानवीय मूल्य, उदात्त-जीवन दर्शन काअवबोध कर स्वकाव्य निर्माण करेंगे।		

		इकाई 1 - गद्यकाव्य - उद्भव तथा विकास, प्रमुख गद्यकाव्यों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 2 - चम्पूकाव्य - लक्षण, उद्भव तथा विकास, प्रमुख चम्पूकाव्यों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 3 - कथा साहित्य - उद्भव तथा विकास, प्रमुख कथाग्रन्थों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 4 – मुक्तककाव्य - उद्भव तथा विकास, प्रमुख मुक्तककाव्यों का परिचय एवं वर्ण्य-विषय इकाई 5 - अर्वाचीन संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय एवं वर्ण्य-विषय सन्दर्भग्रन्थ - संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1996 वैदिक साहित्य एवं संस्कृति - डॉ. कपिलदेव द्विवेदी, ज्ञानमण्डल लिमिटेड भदोही, 1998 संस्कृत साहित्य का इतिहास - डॉ. ए. बी. कीथ, मोतीलाल बनारसीदास, दिल्ली, 1996 संस्कृत साहित्य का इतिहास - आचार्य बलदेव उपाध्याय, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, 1996 संस्कृत साहित्य का अभिनव इतिहास - डॉ. राधावल्लभ त्रिपाठी, राष्ट्रीय संस्कृत संस्थान, पंचम संस्करण, 1996 संस्कृत साहित्य का इतिहास, उमाशंकर शर्मा ऋषि, चौखम्बा भारती अकादमी, वाराणसी, पुनर्मुद्रित 2012 संस्कृत साहित्य का इतिहास, वाचस्पति गैरोला, चौखम्बा विद्याभवन वाराणसी, पंचम संस्करण 1997 https://www.sanskrit.nic.in/econtent.php https://library.ssus.ac.in/index.php?id=80 https://tdil-dc.in/index.php?option=com_vertical&parentid=95&lang=en https://www.learnsanskrit.cc/ https://discovery1.delnet.in/Sanskrit.html https://sanskritdocuments.org/atul/net-resources.html https://www.multibhashi.com/blogs/8-online-resources-to-learn-sanskrit-language/ https://eg4.nic.in/sanskrit/OPAC/Default.aspx https://shodhganga.inflibnet.ac.in/ https://www.india.gov.in/topics/science-technology/research-development https://www.aicte-india.org/education/institutions/Research-Councils-of-India http://ugceresources.in/		

		www.archive.org https://epustakalay.com/ https://www.transliteral.org https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.345820/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.486031/page/n17/mode/2up?view=theater https://archive.org/details/in.ernet.dli.2015.237181/page/n1/mode/2up https://www.exoticindiaart.com/book/details/complete-rig-veda-12-volumes-nad812/ https://epustakalay.com/new-vedic-selection-by-n-kanta-nath-shastri-braj-bihari-chaubey/ https://archive.org/details/VedicSuktaSangrahGitapress https://epustakalay.com/book/5468-vaidik-sangrah-by-dr-krishna-lal/ https://en.unesco.org/memoryoftheworld/registry/530		
PG Sanskrit Semester IV / PG SEMSETER – II (ONE YEAR PROGRAMME)				
A0201001P	MRP	शोध प्रबन्ध	20	P